स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक १०७ वि.सं. २०८३ कार्तिक २१ गते शनिच्चर थारु सम्वत (२६४९) [Saturday 07 November 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

प्रदेश सभा अनिर्णयके बन्दी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २० कार्तिक । जनताके सार्वभौमसत्ताके प्रयोग कैना तथा नीति निर्धारण ओ कानुन निर्माण कैना सुदूरपश्चिम प्रदेश सभा अनिर्णयके बन्दी बनल बा ।

चालु आर्थिक वर्ष २०८३/८४ के बजेट विवादके साथे सरकारसे चलायमान बनाई नसेकल कारण प्रदेश सभा अनिर्णयके बन्दी बनल हो । पछिल्का समय प्रदेश सभाके बैठक नियमित हुई सेकल नैहो । महिना दिनके अन्तरालमे बैठटी रहल प्रदेश सभा बैठक ऐन, कानुन निर्माणसेफे सत्ता गिरैना ओ टिकैनामे केन्द्रीत डेखल बा । सरकारसे नयाँ ऐन, कानुन बनाई सेकल नैहो कलेसे एक, डेढ वर्ष पहिले प्रदेश सभा सचिवालयमे दर्ता हुइल विधेयकफे नम्मा समयसे विचाराधीन अवस्थामे संसदीय समितिमे थन्कल बटै ।

विगतके सरकारसे बनाइल ऐन आवश्यकतानुसार संशोधन करके कार्यान्वयन कैनाके साथे आवश्यक नयाँ कानुन बनैना कार्य करेपर्नामे सरकारके ओहोर ओर ध्यान नैगैल पूर्व मन्त्री एवम् सत्तापक्ष नेपाली कम्युनिष्ट पार्टी



(नेकपा) के प्रदेश सभा सदस्य रमेशसिंह धामी बटैलै । उहाँ सरकारसे प्रदेश सभाहे अनिर्णयके बन्दी बनाइल कहटी ठप्लै,"प्रदेश सभाहे सरकारसे जटरा व्यस्त राखे सेकठ, ओटरे सहयोग सरकारहे हुइठ । मने, यी सरकारके यहोर ओर ध्यान गैल डेखल नैहो ।" दुसरा प्रदेश सभाके कार्यकाल अन्तिमओर पुग्टी करेबेर उल्लेखनीय कार्य हुई नैसकल प्रदेश सभा सदस्य धामीके कहाई बा । "व्यक्तिगत रुपमे सन्तुष्ट नैहु", उहाँ कहलै,"ज जैसिक काम करे पर्ना रहे, हुई पर्ना रहे, ओसिक हुइल नैहो ।"

यी प्रदेशमे बजेटके कारण कैयौं पटक सरकार फेरबदल हुसेकल बा । बजेट विवादके जगमे नेकपाके खगराज भट्टके नेतृत्वमे बनल वर्तमान सरकार फे बजेटके विवादमे फसल बा । चालु आर्थिक वर्षमे गत कुवाँरमे दुसरा चो बजेट ल्यानल रहे । बजेटप्रति सत्तापक्षके चर्को आपत्ति बा । पारित हुसेकल बजेटउप्पर हुइल कमीकमजोरी छानविनके लाग सात सदस्यीय छानबिन समिति गठन करके सरकारसे छानबिनके कार्य आघे बढैना तयारी करटी रहल बा ।

सरकारसे अपनही बजेट गलत रहल स्वीकार करल ओ प्रदेश सभाहेफे अनिर्णयके बन्दी बनाके राखल विधायन तथा प्रदेश मामिला समितिके सभापति दिवानसिंह विष्ट बटैलै । उहाँ कहलै,"बजेट असफलताके जगमे बनल अब्बेक प्रदेश सरकारफे विवादके डगरमे नेंगल बा । प्रदेश सदनहे चलायमान बनाई सेकल नैहो ।"

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे असार १ गते ल्यानल बजेट असफल हुइल रहे । बजेट असफल हुइलपाछे गठित नयाँ सरकारसे कुवाँरमे ल्यानल बजेटफे विवादित बनल बा । बजेट विवादहे लेके प्रमुख प्रतिपक्षी दल नेपाली कांग्रेसके प्रदेश संसदीय दलसे मुख्यमन्त्रीसहित मन्त्रीहुकनके राजीनामा माग करसेकल बा ।

ओस्टेक करके, कांग्रेस संसदीय दलसे प्रदेश सभा बैठक हाली सञ्चालन करेपर्ना निर्णयफे करले बा । पूर्व मुख्यमन्त्री एवम् कांग्रेसके दलके नेता कमलबहादुर शाहके अध्यक्षतामे मंगर बैठल दलके बैठकसे हाली प्रदेश सभा सञ्चालनके लाग सभामुखके ध्यानाकर्षण करैले बा ।

३ लाख ७३ हजारके सामान नियन्त्रण

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २० कार्तिक । कैलाली ओ कञ्चनपुरके अलग अलग ठाउँसे ३ लाख ७३ हजार ७५० रुप्या बराबरके अवैध भन्सार छलिके सामान नियन्त्रणमे लेहल बा ।

कैलालीके जानकी गा.पा. २ बडरियासे अवैध रुपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल रु. १ लाख ३० हजार बराबरके टमान मेरिक पटा नियन्त्रणमे लेहल हो ।

बिफेक रोज इलाका प्रहरी कार्यालय टीकापुर,कैलालीसे खटल प्रहरी टोलीसे नियन्त्रणमे लेहल बा ।

ओस्टेक करके कञ्चनपुर जिल्लाके टमान ठाउँसे अवैध रुपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल मूल्य रु. २ लाख ४३ हजार ७५० बराबरके टमान मेरिक सुर्ति, बिडी, मोबाईलके पार्टपुर्जा ओ किराना लगायतके सामान नियन्त्रणमे लेहल बा ।

बिफेक रोज जिल्ला प्रहरी कार्यालय कञ्चनपुर तथा मातहत कार्यालयसे खटल प्रहरी टोलीसे फेला पारके आवश्यक प्रक्रिया पुरा करके नियन्त्रणमे लेहल हो ।

लुम्बिनी प्रदेशसे बालविवाह न्यूनीकरण कार्यक्रम सञ्चालन कैना

पहुरा समाचारदाता

दाङ, २० कार्तिक । लुम्बिनी प्रदेश सरकारसे प्रदेशके सक्कु स्थानीय तहमे बालविवाह न्यूनीकरण कार्यक्रम सञ्चालन कैना हुइल बा ।

प्रदेशहे बालविवाहमुक्त बनैना लक्ष्यसहित उ कार्यक्रम सञ्चालन करे लागल हो । आर्थिक वर्ष २०८३/८४ के लाग स्थानीय तहहे उपलब्ध कराइल सशर्त अनुदान प्रभावकारी रूपमे कार्यान्वयन कैना प्रदेश सरकारसे 'बाल विवाह न्यूनीकरण सशर्त अनुदान कार्यक्रम कार्यान्वयन कार्यविधि, २०८३' जारी करले बा ।

कार्यविधिअनुसार प्रदेशभिटरके उपमहानगरपालिका, नगरपालिका ओ गाउँपालिकासे अपन जिम्मेवार शाखामार्फत बालविवाह न्यूनीकरणसम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन करेपर्ना बा ।

कार्यक्रमके मुख्य लक्षित समूहमे विद्यालयमे कक्षा ६ से १२ सम अध्ययनरत विद्यार्थी, विद्यालयबाहेर रहल १२ से १८ वर्ष उमेर समूहके बालिका तथा किशोरी ओ ओइनके अभिभावक रहिही ।

शिक्षक तथा शिक्षिकाहे समेत कार्यक्रममे सहभागी करैना बा । बालविवाहसे पर्ना सामाजिक, शैक्षिक, स्वास्थ्य तथा कानुनी असरबारे लक्षित वर्गहि सचेत करैना कार्यक्रम सञ्चालन करेपर्ना कार्यविधिमे उल्लेख बा ।

बालविवाहके जोखिम रहल क्षेत्र, समुदाय ओ वर्ग पहिचान करके विद्यालय बाहेर रहल किशोरीहे विशेष परामर्श प्रदान करेपर्ना व्यवस्था करल बा ।

ओस्टे, बालविवाह ओ उहीसे उत्पन्न हुइना कानुनी परिणामबारे न्यायिक, सुरक्षा तथा प्रशासनिक क्षेत्रके विज्ञ ओ उत्प्रेरक व्यक्तिमार्फत प्रशिक्षण डेहे सेक्ना बा ।

बालविवाह न्यूनीकरणके लाग नम्मा समयसे योगदान डेहल व्यक्तिहे प्रशिक्षकके रूपमे परिचालन करे सेक्ना व्यवस्थाफे कार्यविधिमे बा ।

प्रदेश सरकारसे उपलब्ध कराइल अनुदान सम्भव हुइटसम पालिकाभिटरके सक्कु वडामे खर्च करेपर्ना बा । बालविवाहके अवस्थाबारे वार्षिक तथ्याङ्क सङ्कलन कैना, बालविवाह ढेर हुइना बस्ती, टोल, समुदाय ओ वडाहे केन्द्रित करके कार्यक्रम सञ्चालन कैना व्यवस्था करल बा ।

ओस्टेक करके, बालविवाहविरुद्ध तयार करल वृत्तचित्र तथा लघु चलचित्र प्रदर्शन, सडक नाटक ओ सचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन करे सेक्ना बा ।

स्थानीय रेडियो, टेलिभिजन, अनलाइन सञ्चारमाध्यम ओ पत्रपत्रिकासे कार्यक्रमके प्रचारप्रसार कैना अनुदान रकमके अधिकतम १५ प्रतिशतसम खर्च करे पैना व्यवस्था कार्यविधिमे करल बा । प्रदेशहे बाल विवाहमुक्त बनैना आधार तयार कैना, बालअधिकारके संरक्षण तथा प्रवर्द्धन कैना ओ बालविवाहविरुद्ध बालबालिका, अभिभावक, शिक्षक तथा सामाजिक र धार्मिक अगुवाके सोच ओ व्यवहारमे परिवर्तन ल्यन्ना उद्देश्यसे कार्यविधि जारी करल प्रदेश सरकार जनैले बा ।

जुवातास खेल्नु र खेलाउनु कानूनी अपराध हो

जुवातास खेले वा खेलाएमा, मुलुकी अपराध संहिता, २०७४ को दफा १२५ मा

- पहिलो पटक खेल्ने वा खेलाउनेलाई तीन महिनासम्म कैद वा तीस हजारसम्म जरिवाना,
- दोश्रो पटकमा एक वर्षसम्म कैद र पचास हजार रुपैंयासम्म जरिवाना,
- त्यसपछि हरेक पटक थप तीन महिनासम्म कैद र दश हजार रुपैंयासम्म जरिवाना,
- जुवा खेल्न प्रयोग भएको साधन, जुवाखालमा प्राप्त सम्पूर्ण चल अचल सम्पत्ति जफत हुनेलगायतका कानूनी व्यवस्था छ ।



त्यसैले जुवातास नखेलौं-नखेलाऔं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न



Advanced Healthcare for all...
निसर्ग हस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरू

- जनरल फिजिसियन (पेट,छाती,मुटु) रोग विशेषज्ञ
- रेडियोलोजी विशेषज्ञ
- न्युरो, मस्तिष्क, नशा तथा मेरुदण्ड रोग विशेषज्ञ
- हाडजोर्नी तथा स्पोर्टस फिजियोथेरापिष्ट
- हाडजोर्नी तथा नशारोग विशेषज्ञ
- जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन
- स्त्री तथा प्रसुति रोग विशेषज्ञ
- नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ
- नाक, कान, घाँटी तथा थाइरोइड रोग विशेषज्ञ
- एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ
- मुख, अनुहार तथा बङ्गारा विशेषज्ञ
- मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ
- छाला, यौन, कुष्ठरोग तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ
- मृगौला तथा मुत्ररोग विशेषज्ञ
- मुटु रोग विशेषज्ञ

भेटने समय: बिहान ९ बजेदेखी बेलुकी ५ बजेसम्म

२४सै घण्टा आकस्मिक सेवा
सिटी स्क्यान सेवा
फिजियोथेरापी सेवा

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal
091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745
www.nisargahospitalnepal.com /nisargahospitalnepal

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

क्यारिबियन तटके विश्व संवाद

विचार
✍ ध्रुवहरि अधिकारी

संयुक्त राज्य अमेरिका ओ इजरायल दुनु इरानसँगके युद्धसे उस्कल नैहो । यहोर, अनेक चरणके प्रत्यक्ष-परोक्ष कूटनीतिक वार्ताके अतिरिक्त रूस-युक्रेन लराइल रोकल नैहो । सुडानके गृहयुद्ध अफ्रिका महादेशहे किल नाइकि, समग्र अन्तर्राष्ट्रिय परिवेशहे प्रभावित करना आलो घाउ बनल बा । तनाउ ओ अनिश्चयके कारक बनल अइसिन कुछ बाट अमेरिकामे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प संसद्के दुनु सदनमे बहुमत गुमाइलपाछे भावी दिन कैसिक आगे बहैना कना हेर्न बाँकी बा । मने हाले इजरायलमे हुइल चुनावमे प्रधानमन्त्री बेञ्जामीन नेतन्याहूके पक्ष कमजोर डेखाइल ओरसे अमेरिकाओरसे अइना संकेत फेन आश्वस्त करैना मेरिक नैहो ।

संकटापन्न विश्व-परिस्थितिहे सहजताओर लैजैना प्रयत्न नैरहल नैहो । दोसर विश्वयुद्धपाछे विश्वशान्ति ओ सुरक्षाके लाग स्थापित संयुक्त राष्ट्रसंघ निरन्तर क्रियाशील बा, यद्यपि शक्तिशाली सदस्य यिहिनहे प्रभावकारी बने डेले नैहो । ओकर साटो संसारभर अपन प्रभुत्व जमैना/जटैना हुइना-खैना कहलल देश सातके समूह (जी-सेभेन) ओ २० के समूह (जी ट्वेण्टी) जैसिन मञ्च सञ्चालन करटि आइल बा । यीबाहेक पूँजीवादके मान्यतासे अलग हुइल ब्रिक्स्, शांघाई सहयोग संगठन, बोआओ जैसिन संगठनके फरक गतिविधि देखा परठ । कुछ राष्ट्र एकसे ढेर संस्थाके सदस्यता लेना लाभदायक मानल बा । भौगोलिक आधारमे खडा हुइल आसियान ओ युरोपेली संघ (ईयू) अपन-अपन बलबुताके उपयोग कैके शान्ति ओ समृद्धि हासिल करना प्रयत्नशील बा । क्षेत्रीयस्तरके संगठनके उल्लेख कैके चर्चामे अइना 'सार्क' भारत-पाकिस्तान वैमनष्यके कारण गतिहीन स्थितिमे बा । काठमाडौंके सचिवालय निष्क्रिय बा ।

समन्वय ओ सामञ्जस्यके लाग स्थापित अइसिन संस्था ओ संगठनसे समय-समयमे सभा-सम्मेलनकरठ । राष्ट्राध्यक्ष ओ सरकार प्रमुखस्तरके सम्मेलन हुइना कलेसे फेन तयारीके क्रममे चरण-चरणाके बैठक हुइना करठ । सम्मेलनस्थल, वहाँक सुरक्षा ओ सुविधामे महिनौंके समय ओ करोडौं रकम खर्च हुइठ । कार्यसूची तय करेक लाग मन्त्रिस्तरीय सम्मेलन करजाइठ । जस्टे गैल साता अमेरिकाके एटलाण्टा नगरमे जी ट्वेण्टीके पररा्ट्र मन्त्रीके भेला हुइल- डिसेम्बरमे फ्लोरिडामे हुइना 'शिखर सम्मेलन' के सन्दर्भमे ।

राष्ट्रमण्डलके पहल

नोभेम्बर महिनाके पहिल दिन (१५ कार्तिक) क्यारिबियन सागरके द्वीपराष्ट्र 'एण्टिगुवा एण्ड बर्बुडा' के राजधानी सेण्ट जोहन्समे आरम्भ हुइल चारदिने उच्चस्तरीय जमघटके पृष्ठभूमि बेग्ले बा । यी अइसिन ५६ स्वतन्त्र देशके सम्मेलन हो जेकर बहुसंख्यक सदस्य विगतमे बेलायती साम्राज्यके उपनिवेश रहे- हालके भारत, पाकिस्तान, बंगलादेश, श्रीलंका, सिंगापुर आदि । सन् १९४९ मे संगठित आधुनिक कमनवेल्थ/राष्ट्रमण्डल कहल यी समूहमे मानवबस्ती हुइल छ ठो महादेशमे अवस्थित देशके प्रतिनिधित्व बा । हो, यीमध्ये कुछ सोझे बेलायती उपनिवेश नैरलेसे फेन इतिहासके कौनो कालखण्डमे बेलायतसँग खास मेरिक सम्बन्ध कायम रहल मुलुक हो ।

नामिबिया, टोंगा, क्यामरून ओ समोआ यिहे कित्तामे परठ । सन् १९४९ मे राष्ट्रमण्डल (कमनवेल्थ अफ् नेसन्स) स्थापना होके संगठनके नाम ब्रिटिश कमनवेल्थ रहे, पाछे भारत ओ पाकिस्तान जैसिन नवोदित राष्ट्रके भावनाहे ध्यानमे ढैके 'ब्रिटिश' शब्द निकारल यद्यपि बेलायतके राजा वा महारानीहे यी समूहके 'प्रमुख' मन्ना परम्परा आज फेन कायम बा । समयके अन्तरालमे बेलायतसँग परम्परागत कौनो साइनो नैरहल राष्ट्रसमेत राष्ट्रमण्डलमे सामेल हुइटि आइल बा । रुआण्डा यकर उदाहरण हो जे सन् २००९ मे आके राष्ट्रमण्डलके सदस्यता लेहल । ग्याबोन ओ टोगो सन् २०२२ मे राष्ट्रमण्डल प्रवेश करल हो । कहिजाइठ, १५ लाखसे कम जनसंख्या रहल संसारके ४२ देशमध्ये ३३ ठो राष्ट्रमण्डलमे परठ ।

राष्ट्रमण्डल सचिवालयके वेबसाइटमे रहल विवरण हेरलेसे यी राष्ट्रमण्डलसे चर्चेके भू-भागमे बसोबास करना मनैन्के संख्या दुई अर्ब ७० करोड पुगठ कलेसे कुल गार्हस्थ उत्पादन १९५ खर्ब (१९.५ ट्रिलियन) डलर बराबर रहल डेखाइठ । हरेक दुई वर्षमे हुइना राष्ट्रमण्डल सम्मेलन यीआघे सन् २०२४ मे प्रशान्त महासागरके टापुराष्ट्र समोआमे हुइल रहे । उ २७ औं सम्मेलन रहे । परिवर्तित जलवायुके असर ओ समुद्री जलस्तर बहना प्रक्रियाहे ध्यानमे ढरके हुइ, सन् २०२४ के ओ अठबेक सम्मेलन फेन टापु राष्ट्रमे आयोजना करल बा ।

सम्मेलन आयोजक देश एण्टिगुवा-बार्बुडा ९५ हजार जनसंख्या रहल ओ दुई टापुमे फैलल देश हो । जनसंख्याके भारी खण्ड एण्टिगुवामे एकत्रित बा । एक टापुहे ओ औरे टापुसे ४३ किलोमिटरके जलदूरीसे छुट्याइल बा । पर्यटन, वित्तीय सेवा ओ निर्माण व्यवसायमे आधारित अर्थव्यवस्था मजासँग चलल बा । सन् १९८१ मे स्वतन्त्र हुइटि किल पाछे संयुक्त राष्ट्र संघके सदस्यता पाइल यी देशके प्रधानमन्त्री ग्याष्टोन ब्राउनस यी पल्ट राष्ट्रमण्डलके नेता राजा चार्ल्स ओ अन्य गण्यमान्य अतिथिके स्वागत करटि छोट देशके चिनारी नवीकरण करैना अवसर पाके । बेलायत, अष्ट्रेलिया, क्यानडासमेतके कुछ देशके प्रधानमन्त्री सम्मेलनस्थल पुग्लैं । एण्टिगुवा-बर्बुडा ओ १३ अन्य देश टे बेलायतके नरेशहे अपन राष्ट्राध्यक्ष मन्ठै । राष्ट्रमण्डलहे 'राष्ट्रके परिवार' मन्ना प्रचलन फेन बा, उ हिसाबसे बेलायतके राजाहे सरोकारवालासे मुली अथवा थकाली दर्जा डेना अनौठो नरहल ।

> विगतके दुष्कर्मप्रति पश्चात्ताप करटि राज्यस्तरसे क्षमा मागल एक ज्वलन्त दृष्टान्त गाँसल बा हाल संयुक्त राज्य अमेरिकाके ५० औं (छोट) राज्य हवाई द्वीपसँग । प्रशान्त महासागरके हवाई टापु पहिले छुट्टे स्वतन्त्र अधिराज्य रहे । मने सन् १८९३ मे अमेरिकी सैनिक ओ ओकर एजेण्टसे षड्यन्त्र कैके स्थानीय बासिन्दाके इच्छाविपरीत राजतन्त्र उखारके फैलल । हवाईके प्रजाहे उ मान्य हुइना बाट नैरहे । असन्तोष कायमे रहल । ओइसिनमे, घटना हुइल एक सय वर्षपाछे अर्थात् सन् १९९३ मे राष्ट्रपति बील क्लीन्टनके हस्ताक्षरसे स्वीकृत ऐनमार्फत उ बखतके तख्तापलटहे ...गैरकानूनी हुइल स्वीकार करटि अमेरिका माफी मागल तथ्य अभिलेखमे मिलठ । क्षतिपूर्तिके दायित्व भर अमेरिका नैलेहल । सन् १९९३ मे हवाई राज्यके प्रतिनिधित्व करना सिनेटर ड्यानियल इनोय कले रहैं- हम्रे इतिहास फेरे टे नैसेकब मने जिम्मेवारी स्वीकार करे भर सेकब ।

दायित्वके प्रश्न

यीचोके राष्ट्रमण्डल सम्मेलनके लाग स्वीकृत मूल कार्यसूचीमे जलवायुके प्रभाव सामना करना उपाय, व्यापार विस्तार, डिजिटल प्रवर्द्धन ओ बनावटी बुद्धि (एआई) हे नियमन करना विधि समावेश हुइल हो । मुख्य उद्देश्य टे 'सम्पन्न राष्ट्रमण्डलके लाग साझेदारी ओ लगानीके अभिवृद्धि' हो । युवा समुदाय, महिला समुदाय, जनसमुदाय ओ व्यापारिक समुदायहे जागरुक करैना अतिरिक्त क्रियाकलाप यिहे क्रमके प्रयास हो ।

औपचारिक कार्यसूची बाहिर रहल मने राष्ट्रमण्डल सम्मेलनमे उठ्ना अनुमान करल विषयमे सर्वाधिक चर्चा दास-दासीके बेचबिखनके पुरान इतिहास हो । यी विषयहे समोआ सम्मेलनसे खासकैके अफ्रिका ओ क्यारिबियन तटके राष्ट्रमण्डल सदस्यसे बहसके रूपमे आघे बह्दल हो । उहाँहुक्के १५ औं से १९ औं शताब्दीसमके कालखण्डमे बेलायतलगायतके युरोपके औपनिवेशिक शक्तिराष्ट्रसे दास ओ बँधुवा मजदूर भिकाके करल शोषणके हिसाब-किताब मागे खोज्ठैं । उ व्यापारमे बेलायत ढेर जिम्मेवार रहल ओरसे उ गल्ती स्वीकार करे, माफी मागे ओ क्षतिपूर्ति देहे कना ओइनके दाबी हो ।

बेलायतके राजा चार्ल्ससे 'इतिहासके लज्जाजनक अध्याय' प्रति दुःख प्रकट करल बा । प्रधानमन्त्री एण्डी बर्नहाइम सरकार दोसर मागबारे राज्यके ओरसे 'क्षमायाचना' करना राजी बा कले बटैं (द गार्डियन अखबारमे ३० अक्टोबरमे प्रकाशित लेखमार्फत) । तेसर मागहे भर सम्बोधन करे नैसेक्ना कना ब्रिटिश सरकारके दृष्टिकोण रहल बा । काहेकि इतिहासके कौनो कालखण्डमे हुइल घटनाके जिम्मेबारी आजके बेलायतके बासिन्दा लेहे नैसेकि कना सार्वजिनक अडान हो । साथे जोन बखत दास-दासीके खरीद-बिक्री होए, उ बखत उ काम गैरकानूनी नैरहे । यी बाटमे बेलायतके राजनीतिकर्मीहुकनके एकमत बा ।

विपक्षी कञ्जरभेटिव दलके नेतृ केमी बाडेनख कले बटि, "यी बेलायत कैचो माफी मागेपरना मामिला नैहो । युगौंआघेक इतिहास कोट्याके बैठ्ना कि भविष्य निर्माणओर जैना ?" बरु प्रधानमन्त्री बर्नहाइम भर राष्ट्रमण्डलके निर्धन मानल सदस्य-राष्ट्रके कर्जाके बोझ कम करना ध्येयके वार्ता-शृंखलामे बेलायत सामेल हुइसेकि कहटैं ।

स्मरणीय बा, बेलायत सन् १८०७ मे ऐन बनाके उहेबेला दास-दासी व्यापारके अन्त्य करले रहे । तथापि यी चोके सम्मेलनके घोषणापत्रके प्रतीक्षा आवश्यक हुइल हो । राजनीति ओ कूटनीतिमे चासो हुइना विद्वान् तथा विज्ञ बेलाबखत प्रश्न करठैं- बिटल दशकमे संघ, संगठन, मञ्च ओ संस्थाके संख्या ह्ववात्त बह्दल बा । परन्तु अनेकानेक प्रयत्नके अतिरिक्त आजके विश्व विभाजित बा, अशान्त बा । अइसिन परिस्थितिमे औपनिवेशिक उत्तराधिकार बोकल राष्ट्रमण्डल जस्टे संस्था कौनो अर्थयुक्त निकासमे विश्वहे डोऱ्याइ सेकि का ? सन्देहके बादल तत्काल फाटे सेक्ना छाँट नैहो । जा हुइलेसे फेन प्रयास नैकैके बैठल अवस्था औरऔर बिग्रना डेखाइठ । अइसिन निष्कर्षके निचोडमे सहमत हुइना आशावादीके शिविरमे मिलठ ।

अन्त्यमे-

विगतके दुष्कर्मप्रति पश्चात्ताप करटि राज्यस्तरसे क्षमा मागल एक ज्वलन्त दृष्टान्त गाँसल बा हाल संयुक्त राज्य अमेरिकाके ५० औं (छोट) राज्य हवाई द्वीपसँग । प्रशान्त महासागरके हवाई टापु पहिले छुट्टे स्वतन्त्र अधिराज्य रहे । मने सन् १८९३ मे अमेरिकी सैनिक ओ ओकर एजेण्टसे षड्यन्त्र कैके स्थानीय बासिन्दाके इच्छाविपरीत राजतन्त्र उखारके *(बाँकी ३ पेजमे)*

आयुर्वेदमे बिरामीके आकर्षण बह्दटी

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, २० कार्तिक । पछिल्का समय आयुर्वेदिक उपचारओर बिरामीके आकर्षण बह्दलसँगे महाकाली आयुर्वेद औषधालय कञ्चनपुरमे बिरामीके चाप अत्यधिक बह्दटीरहल बा रु। कञ्चनपुर महेन्ऽनगरके महाकाली आयुर्वेद औषधालयमे सेवा लेनाके सत्र्यामे वृद्धि हुइटीरहल बा रु। महाकाली आयुर्वेद औषधालयके तथ्याङ्क अनुसार आर्थिक वर्ष २०८०/८१ से आव २०८२/८३ सम एक लाखसे ढेर सेवा लेहल बटै ।

महाकाली आयुर्वेद औषधालयके प्रमुख डा. सूर्यप्रसाद उपाध्यायसे निःशुल्क रूपमे ओपिडी सेवा, आयुर्वेद उपचार, दिगो ओ भरपर्दो सेवा हुइल नागरिकके विश्वास कह्दटीरहल बटैले बटै । उहाँके अनुसार अस्पतालसे ३५ किसिमके औषधी वितरण करटी आइल बा ।

प्रदेश सरकारसे वार्षिक ६० लाख बजेट औषधालयहे आइना करलफे बिरामीके चाप बह्दटीरहलसे पर्याप्त बजेटके अभाव हुइना करल डा. उपाध्याय बटैले बटै । उपचार सेवासँगे अस्पतालसे वार्षिक कार्यक्रम बनाके जिल्लाके टमना ठाउँमे ज्येष्ठ नागरिकहे योग, आयुर्वेद शिक्षासमेत प्रदान करटी आइल बा ।

अस्पतालमे बाथ, नसा च्यापलके, घुडा खिइलके, प्रेसरसहितके बिरामीके प्रभावकारी उपचार हुइना करल बा । ओस्टे गर्भवती ओ बच्चाके आमाहे भिटामिनलगायतके अन्य औषधीसमेत वितरण करटी आइल बा ।

बिरामीके चेकजाँच, पञ्चकर्म, थेरापी, मिरोधारा, कटीबस्ती जानुबस्ती, एकाङ्ग स्थानसहितके विधिसे उपचार सेवा डेहल बा ।

अस्पतालमे सुविधासम्पन्न भवनके अभावके कारण उपचार सेवामे समस्या हुइल बा । अस्पतालके अनुसार थेरापीके ढेर जस्टे उपचारमे महिला, पुरुषके लग अलग अलग कोठा आवश्यक पर्ना हुइलफे अस्टे सुविधा नैहुइट समस्या हुइना करल बा ।

भवन अभावके समस्याहे हेरके प्रदेश सरकारसे औषधालयके भवन निर्माणके लग १६ करोड बजेट विनियोजन करके ठेक्काके काम आघे बह्दल बा ।

अस्पतालमे एक चिकित्सकसहित छ जाने स्थायी ओ सात जाने करारके कर्मचारी कार्यरत बटै । अब्बे सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार अन्तर्गत सामाजिक विकास मन्त्रालयमातहत रहलके महाकाली आयुर्वेद अस्पताल कञ्चनपुरके महेन्द्रनगरमे २०४३ सालमे स्थापना हुइल २०५० सालसे निरन्तर आयुर्वेद उपचार सेवा प्रदान करटी आइल बा ।

सस्तामे धान बिक्री कैना बाध्य किसान

पहुरा समाचारदाता

नेपालगन्ज, २० कार्तिक । पश्चिम नेपालके सबसे ढेर धान उत्पादन हुइना जिल्लामध्ये एक बाँकेमे खाद्य व्यवस्था तथा व्यापार कम्पनीसे समयमे धान खरिद नैकैके सस्तामे धान बिक्री करना बाध्य हुइल किसानहुक्के गुनासो करले बटैं ।

सरकारसे समयमे धानके मुल्य निर्धारण करलेसे फेन खरिद कार्य सुरु करैना व्यापारीहुक्रे सस्ता मुल्यमे धान खरिद करल ओरसे बाध्य होके बिक्री करेपरल उहाँहुक्रे बटैले बटैं ।

खाद्य व्यवस्था तथा व्यापार कम्पनी लिमिटेडसे धान खरिद प्रक्रिया सुरु नैकरल ओरसे स्थानीय किसान सरकारसे तोकल मुल्यसे सस्तामे व्यापारीहे धान बिक्री करेपरना बाध्यता रहल बाँके नौबस्ताके किसान शंकरसिंह थारु बटैलैं ।

उहाँ यी वर्ष सरकार मोटा धानके मूल्य प्रतिक्विन्टल तीन हजार ६६० रुपियाँ ओ मध्यमके तीन हजार ८६० रुपियाँ निर्धारण करले बा । मने, व्यापारी कम्पनीसे निर्धारण करल मूल्यसे ५०० से एक हजारसम सस्ता दरमे धान खरिद करटिरहल बटैलैं । चाडपर्वके समयमे पैसाके आवश्यकता परल ओरसे धान बिक्री करेपरल जनैटि किसान थारु सरकारसे मुल्य तोक्नाके साथे सुरुसे धान खरिद फेन सुरु करेपरना माग करलैं ।

ओहे मेरिक बाँके जानकी ५ के किसान राम नरेश यादव पैसाके जरुरी काम परल बेला सरकारसे तोकल मुल्यमे व्यापारी धान खरिद नैकैके सस्तामे विक्री करेपरना बाध्यता आइल बटैलैं ।

उहाँ सरकारसे तोकल मुल्यमे धान खरिद करेक लाग व्यापारीहुकनके मिलमे सम्बन्धित निकायसे नियमित अनुगमन करना आवश्यक रहल बटैलैं । अब्बे बाँकेके टमान स्थानमे सरकारसे तोकल से प्रति क्विन्टल ५०० से एक हजार रुपियाँसम कममे व्यापारी धान खरिद करटैं । नेपालगन्ज, खजुरा ओ कोहलपुरके व्यापारी मोटा धानके प्रति क्विन्टल तीन हजारसे ढेर मूल्य डेहे नैमानलपाछे अधिकांश किसान बाध्य होके सस्तामे (बाँकी, ४ पेजमे)

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोटः साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजकः

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
वैयावेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्चुलेन्स नम्बर
९८३४६८९६१७, ९८४८४३७०१८, ९८१४६०८०४६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०३८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ४२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४०.१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-४२१२९९.११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-४४०१३२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-४२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-४२११४३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०३०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२४७१
ईप्रका लम्की ०९१-४४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-४८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-४२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-४४०१३२
ईप्रका फल्दुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-४२९१४४
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०४
सिमा प्रहरी चौकी बह्दलिया ०९१-४२९३०६
ईप्रका टीकापुर०९१-४६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ४२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-३१३३२
नवजिवन बैक ०९१-४२३६४३
कृषि विकास बैक ०९१-४२९३३४
मालिका विकास बैक०९१-४२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-४२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-४२४६४०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-४२१७८४
सिटिजन बैक ०९१-४२७४८४
कुमारी बैक ०९१-४२६०३८
सनराईज बैक ०९१-४२४८४०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-४२३७०६
एनएमबी बैक लि.०९१-४२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-४२११०१
जिल्ला विकास .०९१-४३२४६०
नगरपालीका .०९१-४२१४२९
मालपोत.०९१-४२१२०१, नापी शाखा.०९१-४६०४०२
कृषि विकास .०९१-४२३२४४, भूमि सुधार.०९१-४२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-४२११४२, नेपाल बाल संगठन: ४२३६६४

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-४२१२७१
नवजिवन ०९१- ४२१२३३/४२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-४२३४३४
पद्मा धनगढी ०९१-४४०३४४
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-४४०७९७
एक्चुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-४६०१४०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-४२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ४२१२३७, ४२३९७१
एम्बुलेन्स : ४२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८४४७४४०
विद्युत : ४२११४४
दिनेश मेटल ०९१-४२१३९२

होटल
डिओटी ०९१-४२३९१८/४२४९३१
जगदम्बा०९१-४२३४९०, विद्या०९१-४२३२७३
तरुण ०९१-४२४६९३, सनलाईट०९१-४२१४३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :४२०१४१
ब्रान्नुप्लाजा०९१-४२२८३०/४२७९९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :४२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-४२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-४२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ४२४१९४
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ४२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-४२१२४२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-४२६७०१

साहित्यिक फूलरिया

गजल

✍ प्रणव आकाश

कुइलर्यन सबचाज जोर्ठ अँठ्रा बाहेक ।
ओस्टक मनै सबचाज रोज्ठ खट्रा बाहेक ।

पुज्ठ हाँठ पसार्क सक्कुजे सङ्ग बिहान,
मन्डिलम का बा ओसिन पठ्रा बाहेक ।

घर ओसहैँ निबिग्रना कमासु ससुर्वक,
पटोह्या किहुन निडेख्टि भट्रा बाहेक ।

छुच्छ ग्वारा नेंग्क बाज्या घर जघ्घा जोर्ल,
बाबा उरैल सम्पटी बाजेक लट्रा बाहेक ।

किसन्वन उर्डा बुइठ मस्री बुइठ मेन्हटसे,
कुछु निफर्ठन बरा अँक्रा मट्रा बाहेक ।

तुलसीपुर, दाङ्ग

गजल

✍ तुलाराम सनम

इ डुनियाँ बडलडिउँ जिउ करमराके रहिजाइठ ।
साहारा डैडेउ किउ जिउ करमराके रहिजाइठ ।

आशमान छुना सपना बा पौला ढर्टिम् पलि बा,
पुगे खोजटुँ उ डिउँ जिउ करमराके रहिजाइठ ।

डुस्मन हुँक्रे टर्पा टर्पाके भिँभर कैकैनै इ दिल,
सियकलाग डेउ सिउ जिउ करमराके रहिजाइठ ।

मोर मनके बात किहिनहे कौन बिढिसे बटाउँ,
नैमिल्ठो इन्टरभिउ जिउ करमराके रहिजाइठ ।

कबुकाल्ह लागठ इ डुनियाँहे स्वर्ग बनाडिउँ,
कैसिक मुट्ठीमे लिउँ जिउ करमराके रहिजाइठ ।

टीकापुर, कैलाली

गजल

✍ सुशिल दहित

शब्द कहाँसे निकारुँ कहुँ बिगर ना जाए ।
लिखुइया मै हुँ थारु कहुँ बिगर ना जाए ।

मनम लागल बात खेल्टी रहठ अभ्फकल,
बातहे कसिक सिंगारुँ कहुँ बिगर ना जाए ।

गजलकार शब्दक धनी मानजिठा यहाँ,
शब्दक बौछारसे मारुँ कहुँ बिगर ना जाए ।

हुँकार मन जिटना कोसिस निकैलक निहो,
कर्टि मैयाँ जालम पारुँ कहुँ बिगर ना जाए ।

मनबो निकर्लो जन्बो निकर्नु कना कहाँ बा,
मैयाँसे मैँयक गाँरीडारुँ कहु बिगर ना जाए ।

बाँके

गजल

✍ अल्लु अर्जुन

बिकासके नाउँमे डेस विनास हुइटि बा ।
हेर्टिहेर्टि मुलुक ढर्टि सब मास हुइटि बा ।

मुह लेके टे सब्जे कठैं बुद्ध जन्मल डेस,
ओहे ठाउँमे भष्ट्रचारिके बास हुइटि बा ।

गरिब डुख्यारिनके ना घर ना खेटिपाटि,
धनिके राटाराट घरजग्गा पास हुइटि बा ।

कहोंरे बलत्कार कहोंरे हत्याहिंसा रोज,
हाँ महिनफें डेसमे जिना आस हुइटि बा ।

कैलाली कञ्चनपुर बाँके बर्दिया ओ दाङ्ग,
राजधानीमे कोइ भर बिन्डास हुइटि बा ।

बर्दिया

अवैध लागूऔषध सहित चार जाने पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १८ कार्तिक । कैलाली ओ कञ्चनपुर जिल्लाके टमान ठाउँसे ४ जाने पक्राउ परल बटै ।

जानकी गाँउपालिका ६ स्थितसे अवैध लागूऔषध ब्राउनसुगर ७३० मिलिग्राम ओ १३ ग्राम गाँजा सहित उहे गाउँपालिका वडा नं ८ बैठना वर्ष २४ के भुवन तिमिल्सिनाहे पक्राउ करल बा ।

मंगरके शंका लाग चेकजाँच करके उ पदार्थ फेला पारके इलाका प्रहरी कार्यालय टीकापुर, कैलालीसे खटल प्रहरी टोलीसे पक्राउ करल बा ।

ओस्टेक करके, कैलाली जिल्लाके भजनी न.पा.५ बक्तुरीघाट स्थितसे अवैध लागूऔषध ब्राउनसुगर जस्ते डेखल धुलो पदार्थ १८ ग्राम ५७० मिलिग्राम सहित जिल्ला कैलाली कैलारी गा.पा. वडा नं ४ हसुलिया बैठना वर्ष २० के सरोज चौधरीहे पक्राउ करल बा ।

मंगरके रोज शंका लाग चेकजाँच करके उ पदार्थ फेला पारके इलाका प्रहरी कार्यालय पृथ्वीपुर, कैलालीसे खटल प्रहरी टोलीसे पक्राउ करल बा ।

ओस्टेक करके, कंचनपुर जिल्लाके बेलौरी नगरपालिका ०७ टेडिया स्थितसे अवैध लागूऔषध ब्राउनसुगर ६ ग्राम ३३० मिलिग्राम सहित जिल्ला कैलाली घोडाघोडी नगरपालिका वडा नं १ सुख्खड बैठना वर्ष २३ के जिबन पार्कीहि पक्राउ करल बा ।

मंगरके रोज शंका लाग चेकजाँच करके उ पदार्थ फेला पारके लागुऔषध नियन्त्रण व्युरो शाखा कार्यालय महेन्द्रनगर ओ इलाका प्रहरी कार्यालय बेलौरी, कञ्चनपुरसे खटलके प्रहरी टोलीसे पक्राउ करल हो ।

ओस्टेक करके, कञ्चनपुर जिल्लाके भिमदत्त नगरपालिका वडा नं.११ होल्डिग सेन्टर ७ नम्बर पिल्लर स्थितसे अवैध लागूऔषध ब्राउनसुगर पदार्थ ५.४४ ग्राम सहित कञ्चनपुर भिमदत्त न.पा. वडा नं ६ बैठना वर्ष ३२ के दिपक भाटहे पक्राउ परल बा ।

मंगरके रोज लागुऔषध नियन्त्रण व्युरो शाखा कार्यालय महेन्द्रनगर ओ इलाका प्रहरी कार्यालय गड्डाचौकी, कञ्चनपुरसे खटलके प्रहरी टोलीसे सु.प.प्र.०२-००३प ४३८५ नम्बरके स्कुटरमे भारतसे नेपाल ओर आइटी करल अवस्थामे शंका लाग चेकजाँच करके उ पदार्थ फेला पारके पक्राउ करल बा । इ सम्बन्धमे प्रहरी आवश्यक अनुसन्धान करटीरहल जनैले बा ।

बीमालेख हराएको सूचना

यही मिति २०८३ भदौ ४ गते महेन्द्रनगरबाट धनगढी आउने क्रममा सुरेशप्रसाद पनेरुको नाममा रहेको सन नेपाल लाइफ इन्स्योरेन्स कम्पनी लिमिटेडद्वारा जारी गरिएको बीमालेख नम्बर ७०२०००००६१९६ हराएको हुँदा उक्त बीमालेख फेला पार्नुहुने महानुभावहरूले सम्बन्धित व्यक्ति वा नजिकैको प्रहरी कार्यालयमा बुझाइदिनुहुन विनम्र अनुरोध गर्दछु ।

; Dks {JolQmV **सुरेशप्रसाद पनेरु** मो. ९८६८४५६२४३

कोशी तटबन्ध मर्मतके लग नेपाल-भारतके संयुक्त निरीक्षण

पहुरा समाचारदाता

सुनसरी, २० कार्तिक । सप्तकोशी लडियाके पूर्वी ओ पश्चिमी तटबन्धमे बर्खायाममे आइलके बाढसे पुगाइल क्षति ओ सम्भावित जोखिमके अवस्था पहिचान कैना नेपाल ओ भारतके प्राविधिक सम्मिलित संयुक्त टोलीसे स्थलगत अनुगमन करल बा ।

नेपाल ओ भारतके जलस्रोत ओ सिँचाइ क्षेत्रके प्राविधिकसहितके संयुक्त टोलीसे कार्तिक १७ से १९ गतेसम चतरासे भारतीय सीमासमके दुनुओरके तटबन्ध ओ लडिया नियन्त्रणके संरचनाके अवस्था निरीक्षण करल बा ।

बाढके कारण क्षति पुगलके ओ तत्काल मर्मतसम्भार करेकपर्ना ठाउँसे पहिचान करके आवश्यक काम आघे बह्रल उद्देश्यसे अनुगमन करल बटैल बा ।

स्थलगत अनुगमनपाछे बिफेक भारतके वीरपुरस्थित जलस्रोत विभागके कार्यालयमे कोसी उच्चस्तरीय समितिके बैठक बैठल बा ।

बैठकमे अनुगमनके क्रममे पहिचान हुइलके क्षति, मर्मतसम्भार करेकपर्ना संरचना, आवश्यक लागत अनुमान ओ आगामी कामके प्रक्रियाबारे छलफल करके निर्णय करल कोशी योजना विराटनगर सम्पर्क ओ भूआर्जन कार्यालयके सम्पर्क ओ भूआर्जन अधिकृत चैतन्यप्रसाद सिटौला जानकारी डेलै । कोशी उच्चस्तरीय समितिमे भारतके ओ नेपालके उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमण्डल रहल बटै । भारतके ओरसे गङ्गा बाढ नियन्त्रण आयोग, पटना, केन्द्रीय जल आयोग, नयाँदिल्ली, तल्लो गङ्गा बेसिन सङ्गठन, पटना, केन्द्रीय जल ओ विद्युत अनुसन्धान केन्द्र, पुर्णया ओ बिहार सरकारके जलस्रोत विभागअन्तर्गत पटना ओ दरभङ्गाके प्राविधिक अधिकारीके प्रतिनिधित्व रहल बा ।

ओस्टेक करके नेपाल ओरसे कोशी ओ बागमती लाडिया व्यवस्थापन आयोजना, विराटनगरके आयोजना प्रबन्धक ओ नेपाल सरकारके जलस्रोत मन्त्रालयके उपमहानिर्देशक समितिमे सदस्यके रूपमे रहल बटै ।

समितिके स्थलगत निरीक्षण कार्तिक १७ से १९ गतेसमके लग तय करल पत्रमे उल्लेख बा । समितिके अध्यक्षता गङ्गा बाढ नियन्त्रण आयोगके अध्यक्षसे केना व्यवस्था रहल बा ।

अनुगमन टोलीमे नेपालके सिँचाइ विभाग ओ कोशी-बक्राहा लडिया नियन्त्रण आयोजनाके प्राविधिक इन्जिनियर, जलस्रोतसम्बन्धी अधिकारी ओ सम्बन्धित प्रशासनिक निकायके प्रतिनिधि सहभागी रहल सिटौलासे बटैलै । भारतीय पक्षसे जलस्रोत विभाग ओ बाढ नियन्त्रणसम्बन्धी प्राविधिक अधिकारी सहभागी हुइल बटै ।

अनुगमन टोलीसे सप्तकोशीके पूर्वी ओ पश्चिमी तटबन्धके अवस्था, लडियासे कटान करल ठाउँ, बाढसे क्षति पुगल संरचना ओ सम्भावित जोखिम क्षेत्रके प्राविधिकसहितके निरीक्षण करल बा । अनुगमनसे प्राप्त विवरणके आधारमे मर्मतसम्भार करेकपर्ना ठाउँके लागत अनुमान तयार करके आवश्यक प्रक्रिया आघे बह्रल सिटौला बटैलै ।

उहाँके अनुसार प्राविधिक टोलीसे तयार पारके विवरण ओ लागत अनुमानके आधारमे भारतीय पक्षसे आवश्यक कामके लग टेन्डर आह्वान करल बा । निर्धारित कार्यतालिकाअनुसार मर्मतसम्भारके काम सुरु करके आगामी वैशाख १५ गतेभिटर सम्पन्न कैना लक्ष्य राखल बा ।

कोशी लडियाके तटबन्धके अवस्था ओ जोखिमयुक्त क्षेत्र पहिचान कैना नेपाल ओ भारतके उच्चस्तरीय प्राविधिक ओ प्रशासनिक टोलीसे प्रत्येक वर्ष संयुक्त रूपमे स्थलगत अनुगमन करटी आइल बटै ।

अनुगमनसे पहिचान हुइल जोखिमयुक्त ठाउँमे तटबन्ध मर्मतसम्भार करनाके साथे आवश्यकता अनुसार थप संरचना निर्माणके कामसमेत हुइटी आइलके कोशी योजना विराटनगरसे जनैले बा । इ वर्षके अनुगमनसे पहिचान हुइलके क्षतिग्रस्त ओ जोखिमयुक्त क्षेत्रमेफे मर्मतसम्भार ओ आवश्यक थप निर्माणके काम आघे बह्रल जनैले बा ।

संयुक्त अनुगमनमे कोशी-बक्राहा सिँचाइ आयोजना, सुनसरी-मोरङ सिँचाइ आयोजना, कोशीटप्पु वन्यजन्तु आरक्ष एवम् सुनसरी, सप्तरी ओ उदयपुर जिल्लाके प्रशासनिक निकायके प्रतिनिधिसमेत सहभागी रहल बटैल बा ।

क्यारिबियन...

फैलल । हवाईके प्रजाहे उ मान्य हुइना बाट नैरहे । असन्तोष कायमे रहल । ओइसिनमे, घटना हुइल एक सय वर्षपाछे अर्थात् सन् १९९३ मे राष्ट्रपति बील क्लीन्टनके हस्ताक्षरसे स्वीकृत ऐनमार्फत उ बखतके तख्तापलटहे 'गैरकानूनी' हुइल स्वीकार करटि अमेरिका माफी मागल तथ्य अभिलेखमे मिलठ । क्षतिपूर्तिके दायित्व भर अमेरिका नैलेहल । सन् १९९३ मे हवाई राज्यके प्रतिनिधित्व करना सिनेटर ड्यानियल इनोय कले रहैं- हम्रे इतिहास फेरे टे नैसेकब मने जिम्मेवारी स्वीकार करे भर सेकब ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श



डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन






२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

प्रधानमन्त्री राहत कोषसे पूर्वाधार मन्त्रालयहे १० अर्ब डेना

काठमाडौँ, २० कार्तिक । सरकारसे भर्खरके बाढ–पहिरोसे क्षतिग्रस्त स्थानीय सडक तथा पुलहुकनके पुनर्निर्माणके लाग प्रधानमन्त्री दैवी प्रकोप उद्धार कोषसे भौतिक पूर्वाधार तथा यातायात मन्त्रालयहे करिब १० अर्ब रुपैयाँ उपलब्ध करैना तयारी करले बा ।

प्रतिनिधि सभाके विशेष समितिके बैठकमे अर्थमन्त्री डा.स्वर्णिम वाग्ले चालु आर्थिक वर्षके बजेट सीमाभिटरे रहिके तत्काल पुनर्निर्माणके काम आघे बह्दैना कोषके मौज्दात रकम पूर्वाधार मन्त्रालयहे डेनाबारे छलफल हुइटी रहल जानकारी डेहल हुइट ।

चालु आर्थिक वर्षके बजेटके सीमा २१ खर्ब २४ अर्ब रुपैयाँ रहल ओ यिहीहे नाघके जाईबेर पूरक बजेट ल्यानेपर्ना कानुनी जटिलता हुइना ओरसे सरकारसे राहत कोषके रकम परिचालन कैना रणनीति बनाइल हो । भौतिक पूर्वाधार मन्त्रालयसे बहुवर्षीय ठेक्का आह्वान करके निर्माण व्यवसायीहे मोबिलाइजेसन पेस्की डेहे सेके कहेक लाग उ रकम उपलब्ध कराई लागल हो ।

कोषमे १८ अर्ब सङ्कलित, १ अर्ब निकासा

अर्थमन्त्री डा.वाग्लेके अनुसार यी बार सरकारप्रति नागरिक ओ दातृ निकायके उच्च विश्वासके कारण प्रधानमन्त्री उद्धार कोषमे उल्लेख्य रकम जम्मा हुइल बा ।

'यी बार कोषमे नागरिकहुकनके १ रुपैयाँसे अमेरिकी प्रविधि कम्पनी एनभिडियाके सीईओ जेन्सेन वाङसे डेहल १० मिलियन डलर (करिब डेढ अर्ब रुपैयाँ) सम करके १८ अर्ब रुपैयाँ जम्मा हुइल बा,' अर्थमन्त्री कहलै ।

कोषमे सङ्कलित रकममध्ये विपद् लगटे राहत ओ उद्धारके लाग स्थानीय पालिकाहुकनहे १ अर्ब रुपैयाँ निकासा करसेकल बा । बाँकी रकमहे कार्यविधि बनाके पारदर्शी ढङ्गसे पूर्वाधार पुनर्निर्माण, कृषि राहत तथा आवास निर्माणमे खर्च कैना सरकारके योजना बा ।

कृषि क्षेत्रमे १ अर्ब डेटी

पूर्वाधार मन्त्रालयहे १० अर्ब डेना तयारीसंगे कृषि क्षेत्रके लाग फे उहे कोषसे विशेष राहत प्याकेज डेना गृहकार्य हुइटी रहल बा । बाढ प्रभावित क्षेत्रमे कृषि उत्पादन नष्ट हुइल, बजार सम्पर्क टुटल ओ मल अभाव हुई नैडेना योजना बा ।

कृषि मन्त्रालयके माग अनुसार ५० करोडसे १ अर्ब रुपैयाँसमके विशेष राहत तथा अनुदान प्याकेज डेना तयारी करल हो ।

ओस्टे, नगद राहत वितरणके लाग सञ्चार मन्त्रालयमार्फत आइल मागहेफे कोषसे सम्बोधन कैना बा ।

कोष कैसिक सञ्चालन हुई ?

ढेरहे यी कोष प्रधानमन्त्री वा अर्थमन्त्रीसे अपन खुसी चलैना भ्रम रहल उल्लेख करटी अर्थमन्त्रीसे यकर अलगे वैधानिक संयन्त्र रहल प्रस्ट परलै ।

यी कोष राष्ट्रिय योजना आयोगके उपाध्यक्षके संयोजकत्वमे रना ओ प्रधानमन्त्री कार्यालयके सचिवसे यकर दैनिक प्रशासनिक कार्य हेर्ना व्यवस्था बा । स्थानीय तह ओ सम्बन्धित मन्त्रालयसे आइल आधिकारिक मागके आधारमे केल्ह कोषसे रकम निकासा हुइना उहाँक कहाई बा ।

अर्थ मन्त्रालय ओ भौतिक पूर्वाधार मन्त्रालयके सचिवबिच कार्तिक ३० गते बैठक बैठके रकम विनियोजन ओ रकमान्तरके प्राविधिक मोडालिटी टुडगैना तयारी बा ।

रसुवा बाढमे बेपत्ताके बीमा मागदाबी कैना मृत्यु दर्ता नैचाहल, प्राधिकरणसे जारी करल ८ बुँदे निर्देशन

नेपाल बीमा प्राधिकरणसे रसुवा बाढमे प्रभावित क्षेत्रके बीमितके बीमा दाबी भुक्तानी प्रक्रिया सहज बनैना जीवन बीमा कम्पनीहे निर्देशन डेहल बा । प्राधिकरणसे ८ बुँदे परिपत्र जारी करटी निर्देशन डेहल हो ।

गत भदौ १० गते भोटेकोशी, त्रिशूली ओ नारायणी लडियामे आइलके बाढसे प्रभावित हुइल बीमितहे हितहे ध्यानमे राख्टी मृत्यु दाबी, बीमालेख समर्पण, बीमालेख कर्जा ओ परिपक्व भुक्तानी प्रक्रियामे देहायबमोजिमके सरलीकृत व्यवस्था लागू कैना निर्देशन डेहल हो ।

निर्देशनमे जीवन ओ लघु जीवन बीमा कम्पनीहे दाबी भुक्तानी प्रक्रियाहे झन्झटमुक्त बनैनाके साथे प्रिमियम ओ कर्जाके किस्ता तिर्न ६ महिनाके अतिरिक्त समय उपलब्ध करल बा ।

१. न्यूनतम विवरणमे निवेदन मान्य: दाबीके लग बीमितके नाम, मृत्युके मिति ओ कारण, बीमालेख नम्बर ओ दाबीकर्ताके नाता खुलाके सामान्य निवेदन डेहल पुगल ।

२. सरकारी परिचयपत्रहे मान्यता: दाबीकर्ताके पहिचान ओ नाता प्रमाणीकरणके लग नागरिकता, राष्ट्रिय परिचयपत्र, लाइसेन्स, राहदानी वा लालपुर्जा पेस करे सेक्ना ।

३. सिफारिस ओ न्यायिक घोषणा मान्य: मृत्यु ओ बेपत्ता पुष्टि करना स्थानीय तहके सिफारिस ओ अदालतके न्यायिक घोषणाहे आधिकारिक मानेकपर्ना ।

४. सक्कल कागजात नैचाहल : बाढमे सक्कल बीमालेख नष्ट हुइल कम्पनीके अभिलेखमे रहलके विवरणके आधारमे दाबी भुक्तानी करेकपर्ना ।

५. निःशुल्क प्रतिलिपि बीमालेख: बीमितसे माग करलमे कम्पनीसे बिनाकुछ शुल्क बीमालेखके प्रतिलिपि उपलब्ध करेकपर्ना ।

६. अभिलेख अद्यावधिकमे सहकार्य: कम्पनीके कागजात नष्ट हुइल अवस्थामे बीमित ओ अभिकर्तासे विवरण डेहल अभिलेख अद्यावधिक कैना सघाइकपर्ना ।

७. किस्ता तिर्न ६ महिना ब्याज छुटसहित म्याद: बीमाशुल्क ओ कर्जाके किस्ता तिरे नैसेक्नाहे ६ महिनासम कुछ ब्याज ओ जरिवाना नैलेना म्याद थप करेकपर्ना ।

८. बेपत्ताके हकमे स्वघोषणासे भुक्तानी: बेपत्ता बीमितके हकमे हकवालासे पाछे जीवित भेटल कानुनबमोजिम सजाय भोग्न तयार रहलके स्वघोषणा करलपाछे मृत्यु दाबी भुक्तानी डेहेकपर्ना ।

लालपुरमे फेर चितुवा डेखलपाछे क्यामेरासहित निगरानी

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २० कार्तिक । कैलालीके गोदावरी नगरपालिका–६ स्थित लालपुरमे फेरसे चितुवा डेखल सूचना प्राप्त हुइलपाछे डिभिजन वन कार्यालय धनगढीसे निगरानी बह्दले बा ।

स्थानीयसे चितुवा डेखल जानकारी कराइलपाछे शुकके वन अधिकृत नेतृत्वमे गैल टोलीसे उ क्षेत्रमे चितुवाके उपस्थितिबारे पहिचान तथा निगरानी करल हो ।

टोलीसे चितुवाके गतिविधि निगरानी कैना क्यामेरा ट्र्यापिङ क्यामेरा जडान कैनाके साथे पासोसहितके खोरसमेत रख्ले बा ।

उहे क्षेत्रमे गैल बुधके केल्ह एक ठो चितुवाके उद्धार करल रहे । उद्धार करल चितुवाहे सुरक्षित स्थानमे छोरल वन अधिकृतसे जानकारी डेलै ।

बुधके चितुवा उद्धार करल स्थानमे फेरसे चितुवा डेखल सूचना आइलपाछे वन कार्यालयसे थप सतर्कता अपनैटी निगरानी बह्दाइल हो । डिभिजन वन कार्यालय धनगढीसे उ क्षेत्रके बासिन्दाहे सतर्कता अपनैना आग्रह करल बा ।

सस्तामे धान ....

विक्री करल बटैलैं । खाद्य व्यवस्था तथा व्यापार कम्पनी लिमिटेड नेपालगन्जके प्रमुख रामशरण लामिछाने धान खरिदके लाग मूल्य तोक्लेसे फेन बाँकेसे कत्रा धान खरिद करना कना कोटा निर्धारण नैरकल ओरसे धान खरिद सुरु नैहुइल बटैलैं ।

कोटा निर्धारण कैके केन्द्रसे खरिद करना निर्देशन अइटिकिल बाँकेमे फेन खरिद सुरु करना उहाँक कहाइ बा । यी वर्ष बाँकेमे गैल वर्षसे करिब १० प्रतिशत धान उत्पादन वृद्धि हुइना अनुमान करलेसे फेन धान पाकके कट्ना बेला दुई चो बर्षा ओ हावाहुरी आइल ओरसे उत्पादन घट्ना कि बह्ना हो अब्बहि कहे नैसेक्ना कृषि ज्ञान केन्द्र बाँकेके सूचना अधिकारी सुजिता शर्मा बटैलैं ।

तीन हजार ५० के नाम हटल

पहुरा समाचारदाता

बाँके, २० कार्तिक । मतदाता नामावली अद्यावधिक करके कूल तीन हजार पचास मतदाताके नाम मतदाता सूचीसे हटाइल बा । बाँकेमे मृत्यु हुइल ओ दोहोराइल मतदाता नामावलीमे नाम रहलके व्यक्तिके विवरण अद्यावधिक कैना क्रममे तीन हजार ५० जानेके नाम मतदाता नामावलीसे हटाइलके जिल्ला निर्वाचन कार्यालयके प्रमुख टेकबहादुर शाही जानकारी डेलै ।

वन्यजन्तुके जोखिम घटैना चेतावनी प्रणाली

काठमाडौँ, २० कार्तिक । काश्मीरमे भालुके आक्रमणमे डाईक मृत्यु हुइलपाछे भारतीय सफ्टवेयर इन्जिनियर मुदासिर अलीसे हिमालय क्षेत्रमे वन्यजन्तुके जोखिमसे मनैनहे जोगैना अनलाइन पूर्वचेतावनी प्रणाली विकास करले बटै ।

३३ वर्षीय अलीले 'वाइल्डपिङ' नामक निःशुल्क वेबसाइट बनैलै येम्ने प्रयोगकर्तासे भालु, चितुवा तथा अन्य वन्यजन्तु डेखल स्थानके जानकारी डेहे सेक्ही । ओकर आधारमे जोखिममे रहल आसपासके मनैनके मोबाइलमे चेतावनी पुगठ ।

डाइक मृत्यु हुइल पहिल वार्षिकोत्सवके अवसरमे गत अक्टोबरमे यी प्रणाली सार्वजनिक करल अली अपन पीडासे औरहे जोगैना प्रविधिके उपयोग करे चाहल बटैलै । आधिकारिक तथ्याङ्कअनुसार सन् २०२३ यहोर काश्मीरमे वन्यजन्तुके आक्रमणसे ज्यान गुमैना कम्तीमे ५० जाने मध्ये उहाँक डाईफे रहिट ।

वन विनाश ओ वन्यजन्तुके बासस्थान खुम्चटी जाके हिमालय क्षेत्रमे मानव–वन्यजन्तु द्वन्द्व बह्दटी रहल बा । काश्मीरमे दशकौँसे जारी द्वन्द्व, सीमाक्षेत्रमे लगाइल बार ओ सैन्य उपस्थितिसेफे वन्यजन्तुके आवागमनमे अवरोध पुगैले बा ।

वाइल्डपिङमे घर, खेत, विद्यालय ओ बालबालिका नेंग्ना डगरहे निगरानी क्षेत्रके रूपमे निर्धारण करे सेक्जाइठ । उ क्षेत्रमे वन्यजन्तु डेखलेसे प्रयोगकर्तासे मोबाइलमे सूचना पैही । यिहीसे द्वन्द्व रोके नैसेक्लेसेफे समयमे सतर्क हुके परिवारहे सुरक्षित रख्न वा सहयोग मागे सेक्ना वेबसाइटमे उल्लेख बा । काश्मीरमे पैना दुई प्रजातिके भालुमध्ये हिमाली करिया भालु वन्यजन्तुके आक्रमणसे हुइना मृत्यु ओ घाहिल ८० प्रतिशतसे ढेर घटनामे संलग्न रहल विज्ञहुकनके कहाई बा । यी क्षेत्रमे खैयर भालु ओ चितुवासमेत पाजाइठ ।

अङ्गेजी, हिन्दी ओ उर्दू भाषामे उपलब्ध वेबसाइटसे सञ्चालनके एक महिनासे कम अवधिमे करिब नौ हजार आगन्तुक आकर्षित करले बा । सयौँ प्रयोगकर्ता नियमित रूपमे यम्ने लौटना करल बटै ।

स्थानीय बासिन्दा यासिर इकबालसेफे भालु डेखलपाछे तत्काल वेबसाइटमार्फत जानकारी करैले रहिट । उहाँक अनुसार गाउँके ढेर मनै यकर प्रयोग करे लागल बटै । वन्यजन्तु डेखल स्थानबारे समयमे सूचना पाईबेर मनैनके ज्यान जोगैना सहयोग पुग्न उहाँक विश्वास बा ।

छठमे अलगे घाट नैबनैना मन्त्रालयके आग्रह

काठमाडौँ, २० कार्तिक । महिला, बालबालिका, लैङ्गिक तथा यौनिक अल्पसंख्यक ओ सामाजिक सुरक्षा मन्त्रालयसे छठ पर्वके अवसरमे जातीय विभेद तथा छुवाछुतजन्य गतिविधि नैकैना ओ सक्कु समुदायके समान सहभागिता सुनिश्चित कैना आग्रह करले बा ।

मन्त्रालयसे विज्ञप्ति जारी करटी छठ पर्वके क्रममे दलित समुदायके लाग अलगे छठ घाट निर्माण कैना वा करे लगैना जैसिन विभेदकारी अभ्यास नैकैना सम्बन्धित सक्कु पक्षके ध्यानाकर्षण कराइल हो ।

धार्मिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक सद्भावके प्रतीकके रूपमे रहल छठ पर्वसे आपसी मेलमिलाप, बन्धुत्व ओ राष्ट्रिय एकता सुदृढ बनैना विश्वास व्यक्त करटी मन्त्रालयस कौनोफे जातजाति, वर्ग वा समुदायके आधारमे विभेद हुइना गतिविधि नैकैना आग्रह करले बा ।

नेपालके संविधानके धारा १८ से समानताके हक ओ धारा २४ से छुवाछुत तथा भेदभावविरुद्धके हक सुनिश्चित करल उल्लेख करटी मन्त्रालयसे जातीय भेदभाव तथा छुवाछुत (कसुर ओ सजाय) ऐन २०६८ अनुसार जातीय आधारमे छुवाछुत तथा भेदभाव कैना दण्डनीय कसुर रहल स्मरण कराइल बा ।

मन्त्रालयसे सार्वजनिक स्थानमे प्रवेश निषेध कैना, जातीय आधारमे अलग अलग घाट निर्माण कैना वा कौनो समुदायहे अलग्याइना कार्य संविधानके मर्म, समानताके सिद्धान्त ओ कानुनी व्यवस्था विपरीत हुइना जनैले बा ।

यैसिन विभेदकारी गतिविधि हुई नैडेना स्थानीय तह, सुरक्षा निकाय, नागरिक समाज, सञ्चारकर्मी तथा सक्कु नागरिकहे जिम्मेवार भूमिका निर्वाह कैना मन्त्रालयसे अनुरोध करले बा ।

सक्कु जातजाति, वर्ग, क्षेत्र ओ समुदायके समान अधिकार, आत्मसम्मान तथा समावेशी सहभागिता सहित समतामूलक समाज निर्माणमे मन्त्रालय प्रतिबद्ध रहल उल्लेख करटी सामाजिक सद्भाव, भाइचारा ओ समावेशी संस्कृतिके प्रवर्द्धन कैनासमेत आग्रह करल बा ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।





संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा पश्चिम)

मो. ९८५८४२३९१२,

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services



सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन ।*
२) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१–५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

"लैंगिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार"